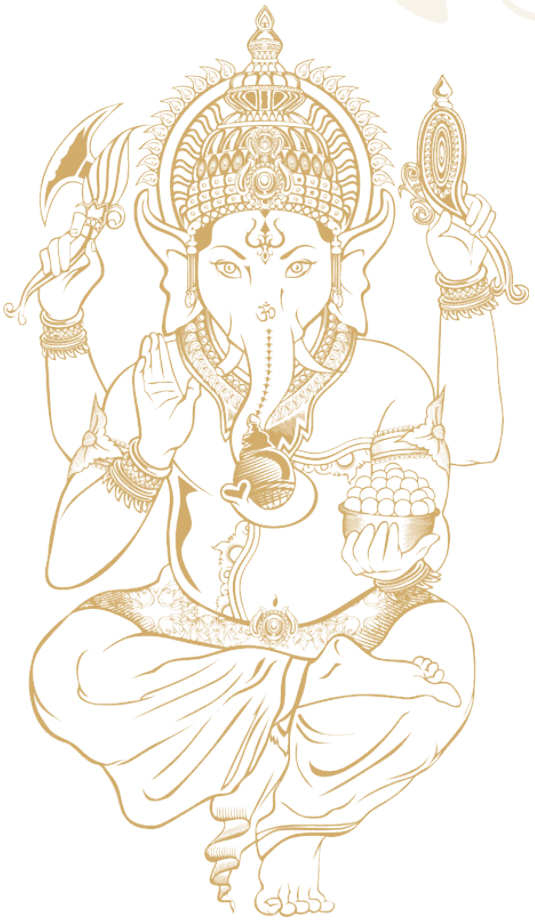

Babloo Kiran

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121326402

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
11/05/1988	जन्म तिथि	11/05/1990
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 23:00:00	जन्म समय	18:15:00 घंटे
घटी 44:06:26	जन्म समय(घटी)	32:13:11 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Noida
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	28:40:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	77:26:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	-00:20:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:21:25	सूर्योदय	05:32:27
18:44:31	सूर्यास्त	19:01:16
23:41:42	चित्रपक्षीय अयनांश	23:43:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
गुरु 0वर्ष 7मा 10दि	26:00:32	धनु	लग्न	तुला	17:50:00	शनि 1वर्ष 6मा 12दि
केतु	27:31:46	मेष	सूर्य	मेष	26:50:28	शुक्र
21/12/2024	02:49:24	मीन	चंद्र	वृश्चि	15:35:23	23/11/2015
22/12/2031	29:27:37	मक	मंगल	कुंभ	21:39:28	23/11/2035
केतु 19/05/2025	17:46:25	वृष	बुध व	मेष	15:19:52	शुक्र 24/03/2019
शुक्र 19/07/2026	21:04:22	मेष	गुरु	मिथु	15:04:31	सूर्य 24/03/2020
सूर्य 24/11/2026	04:37:33	मिथु	शुक्र	मीन	14:34:45	चन्द्र 22/11/2021
चन्द्र 25/06/2027	08:07:01	धनु व	शनि व	मक	01:34:43	मंगल 22/01/2023
मंगल 21/11/2027	27:43:12	कुंभ व	राहु व	मक	16:57:16	राहु 22/01/2026
राहु 09/12/2028	27:43:12	सिंह व	केतु व	कर्क	16:57:16	गुरु 22/09/2028
गुरु 15/11/2029	06:48:04	धनु व	हर्ष व	धनु	15:33:02	शनि 23/11/2031
शनि 25/12/2030	16:15:35	धनु व	नेप व	धनु	20:40:56	बुध 23/09/2034
बुध 22/12/2031	17:12:33	तुला व	प्लूटो व	तुला	22:33:09	केतु 23/11/2035

लग्न-चलित

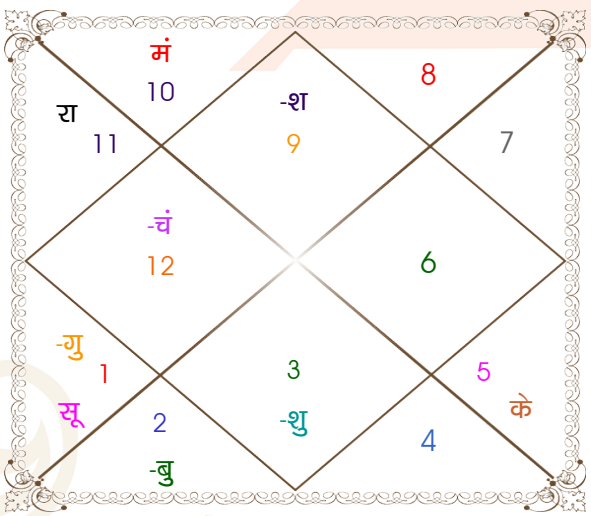

लग्न-चलित

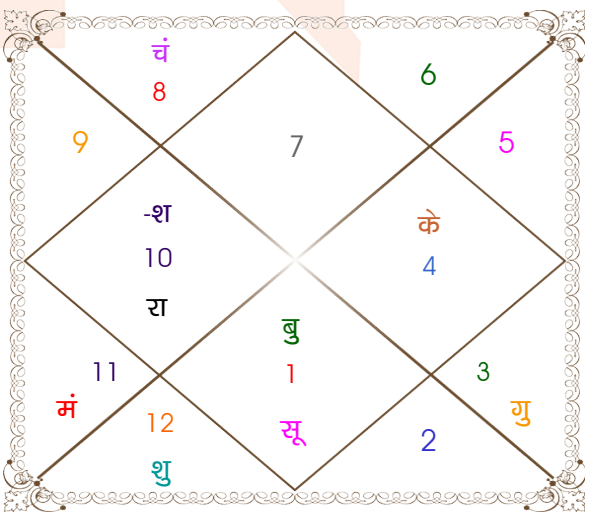

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Babloo का वर्ग सर्प है तथा Kiran का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Babloo और Kiran का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Babloo मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Kiran मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

Babloo तथा Kiran में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।